DATE :- 09-10-2025
DAINIK BHASKAR, PAGE :- IV, SURAT

सिटी एंकर

सूरत मेट्रो के लिए जीएमआरसी और डीबी इंजीनियरिंग के बीच करार

ग्लोबल टेक्नोलॉजी से सूरत मेट्रो को ग्रीन-इंटीग्रेटेड बनाएंगे, स्मार्ट टिकटिंग के साथ अन्य कई सुविधाएं डिजिटल होंगी

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

सूरत मेट्रो प्रोजेक्ट ग्रीन मेट्रो और इंटीग्रेटेड बनाने के लिए गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 24 माह की रणनीतिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस करार से ग्लोबल टेक्नोलॉजी का सहयोग मिलेगा। यह करार डीबी इंजीनियरिंग एंड कंसल्टिंग के साथ किया गया है। इस परियोजना को जर्मनी के केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक तथा फ्रांस के AFD के वित्तीय सहयोग से विकसित किया जा रहा है। अनुबंध के बाद डीबी इंजीनियरिंग की टीम ने सूरत मेट्रो का साइट का निरीक्षण किया। टीम में सेबास्टियन फिलिप, सिद्देश काकड़े, सिद्दार्थ एम और निशांत व्यास प्रमुख रूप से शामिल थे। टीम ने रोडमैप, परामर्श और मेट्रो की डेडलाइन पर चर्चा की।

इंटीग्रेटेड मोबिलिटी और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी पर फोकस किया जाएगा

कंपनी के अनुसार परामर्श का मुख्य फोकस सूरत मेट्रो के ऑपरेशंस और मेंटेनेंस योजना, नॉन-फेयरबॉक्स, कमर्शियल (जैसे विज्ञापन, रिटेल और संपत्ति मोनेटाइजेशन), इंटीग्रेटेड मोबिलिटी और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी पर रहेगा। साथ ही स्टेशन डिजाइन को उपयोगकर्ता केंद्रित, सुलभ और सुरक्षित बनाने, मेट्रो स्टाफ के प्रशिक्षण तथा कैपेसिटी डेवलमेंट और सार्वजनिक सहभागिता व स्टेकहोल्डर एंगेजमेंट पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के फेज-1 में 21 किमी और 18 किमी के दो कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं

सूरत मेट्रो प्रोजेक्ट के फेज-1 में कुल 40.35 किमी के दो कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं। कॉरिडोर-1 सरथाणा से ड्रीम सिटी (21.61 किमी, 14 स्टेशन) तक है और कॉरिडोर-2 भेसाण से सारोली (18.74 किमी, 18 स्टेशन) तक है। इसकी अनुमानित लागत 12,020 करोड़ है। डीबी इंजीनियरिंग डेटा आधारित समाधान, ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियां, गैर-मोटर चालित परिवहन का समन्वय और स्मार्ट टिकटिंग तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म में मदद करेगी।